बिहार विधान-सभा वादवृत्त।

भारत के संविधान के उपबंध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण।

सभा का अधिवेशन पटना के सभासदन में मंगलवार तिथि २६ मार्च, १९५४ को ११ बजे पूर्वाह्न में माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्म्मा के सभापतित्व में हुआ।

अल्प-सूचना प्रश्नोत्तर।

Short Notice Questions and Answers.

PROSECUTION OF LEADERS IN THE DISTRICT OF MANBHUM.

140. Shri CHANDRA SEKHAR SINGH : Will the Chief Minister be pleased to state—

(*a*) whether the attention of Government has been drawn to the joint statement issued by some members of Parliament, including Srimati Sucheta Kripalani and Sri N. C. Chatterjee, published in a prominent English Daily of Calcutta, in its issue of the 2nd March, 1954 in which serious allegations of prosecution of leaders of public opinion in the district of Manbhum as well as organised attempt to suppress the peaceful expression of opinion of the people of Seraikella and Kharsawan, have been made against the Government of Bihar, and the Prime Minister of India has been requested to intervene to put an end to the prosecution of leaders of these regions ;

(*b*) if the answer to clause (*a*) be in the affirmative will Government be pleased to state whether these allegations are correct, if not, what is the exact state of affairs ?

Shri KRISHNA BALLABH SAHAY : (*a*) The answer is in the affirmative.

(*b*) The allegations regarding prosecution of leaders in Manbhum, or the denial of fundamental rights of freedom of speech and expression of opinion are wholly incorrect, and Government take this opportunity of most emphatically repudiating them as entirely baseless. There has absolutely been no attempt to prosecute anybody for giving expression to his opinion or to deny him his fundamental rights of freedom of speech, nor do Government intend doing any thing of the kind, provided this right is exercised in a peaceful and lawful manner. In Manbhum, Government had to take action against some persons not for exercising their fundamental rights but for acting in an illegal way and in a manner which disturbed the peace or was prejudicial to maintenance of law and order. So also in Seraikella, action has been taken against those who have broken the law.

(ख) क्या यह बात सही है कि रीगा मिल के मैनेजर ने डा० दारोगा प्रसाद को खाद एवं बीज के अलावे ५०० पये दादनी (एडवान्स) बैल खरीदने के लिये देने का वादा किया था जिसके फलस्वरूप इन्होंने अपना व्यवसाय छोड़ ऊख की खेती की ;

(ग) क्या यह बात सही है कि ता० २४ नवम्बर, १९५३ की चिट्ठी में केन सुपरवाइजर ने डा० दारोगा प्रसाद को ५०० रु० एडवांस देने के लिये बुलाया था और आने पर सिर्फ १०० रुपया दिया और बाकी ४०० रुपये के लिये साफ इन्कार किया कर दिया;

(घ) यदि उपरोक्त खंडों के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो सरकार ऐसे विश्वासघात करने वाले के साथ कौनसी कार्रवाई करने जा रही है ?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—(क) उत्तर हां है।

(ख) इस प्रकार के वादे के विषय में सरकार को कोई सूचना नहीं है। सरकार को यह नहीं मालूम है कि किस वादे पर डा० दारोगा प्रसाद वर्मा ने ऊख की खेती की थी।

(ग) यह बात सही है कि रीगा मिल ने डा० दारोगा प्रसाद वर्मा को २४ नवम्बर १९५३ को एक चिट्ठी खाद एवं दादनी देने के लिए लिखी थी परन्तु इस पत्र में ५०० रुपया देने की बात नहीं है। सरकार को यह मालूम नहीं है कि ५०० रुपये ऐडवान्स देने के लिए मालिक ने कोई आश्वासन दिया था।

(घ) खंड (ख) और (ग) के उत्तर देने के बाद यह प्रश्न नहीं उठता।

धनवार से हजारीबाग तक बस-यातायात की व्यवस्था।

१०६८। श्री पुनीत राय—क्या मंत्री, राजनीति (यातायात) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि मरकच्चो से हजारीबाग जाने के लिये एक बस सर्विस अतिशीघ्र खुलने वाली है ;

(ख) अगर हां तो वह लाईन किस व्यक्ति को दी गयी है, एवं उसका क्या समय रखा गया है ;

(ग) क्या यह बात सही है कि धनवार से सीधे हजारीबाग आने-जाने के लिए कोई भी गाड़ी उपर्युक्त समय पर धनवार से हजारीबाग जाने एवं हजारीबाग से धनबार आने के लिये नहीं है ;

(घ) क्या सरकार धनवार से हजारीबाग आने-जाने के लिए एक ऐसी बस, जो धनवार से छः या सात बजे प्रातः चलकर दस बजे हजारीबाग पहुंचे फिर हजारीबाग से पांच या छः बजे संध्या चलकर पुनः दस बजे रात्रि धनवार पहुंचे, खोलने का विचार करती है, यदि हां, तो कब तक ?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—(क) उत्तर नकारात्मक है।

(ख) ऊपर के उत्तर के बाद यह प्रश्न नहीं उठता है।

(ग) अभी धनवार से हजारीबाग जाने के लिए कोडरमा होकर जाना पड़ता है। धनवार से सीधे हजारीबाग जाने और आने के लिए कोई गाड़ी नहीं है। गिरीडीह से आने वाली गाड़ियां धनवार होकर कोडरमा जाती हैं और इस वजह से गाड़ियों का

वक्त धनवार से निर्धारित न होकर गिरीडीह और कोडरमा से निर्धारित होता है, परन्तु चूंकि इस रास्ते में पांच गाड़ियां हैं इसलिए यात्रियों को कोई विशेष असुविधा नहीं होती है। कम से कम छोटानागपुर के ट्रांसपोर्ट अधिकारी सभा के सम्मुख ऐसी शिकायत अभी तक नहीं हुई है।

(घ) चूंकि अभी तक ऐसी मांग नहीं हुई थी यह प्रश्न विचाराधीन नहीं था। मांग होने पर सरकार ऐसी गाड़ी खोलने का अवश्य ही शीघ्र प्रयत्न करेगी।

श्री अवध बिहारी दीक्षित—अभी खंड (क) के उत्तर में कहा गया कि उत्तर स्वीकारात्मक है नाइट सर्विस खोलने के बारे में तो क्या मैं जान सकता हूं कि कितने दिनों में यह कार्यरूप में परिणत किया जायेगा ?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—हमने नकारात्मक कहा है, स्वीकारात्मक नहीं कहा है।

(क)—

दुमका से साहिबगंज तक बस यातायात का अभाव।

१०६९। श्री जेठा किस्कू—क्या मंत्री, राजनीति (यातायात) विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या यह बात सही है कि जिला संथाल परगना अन्तर्गत दुमका से साहिबगंज तक बस चलाने की व्यवस्था सरकार के द्वारा की गई है ;

(ख) क्या यह बात सही है कि उक्त सड़क में भारत सरकार ने राज्य ट्रांसपोर्ट के अलावे दुमका के मातिन मियां को मोटर गाड़ी चलाने की आज्ञा दी है ;

(ग) क्या यह बात सही है कि दुमका के मातिन मियां की मोटर गाड़ी का नाम पीपुल्स ट्रांसपोर्ट रखा गया है और इतने लम्बे रास्ते के लिये वह बहुत रद्दी गाड़ी है ;

(घ) क्या यह बात सही है कि वह गाड़ी १३ जनवरी, १९५४, १४ जनवरी, १९५४ और ६ फरवरी, १९५४ को भी रास्ते में खराब हो गई थी और जिसके फलस्वरूप जनता को बहुत कष्ट उठाना पड़ा था ;

(ङ) यदि खंड (क), (ख), (ग) और (घ) के उत्तर स्वीकारात्मक हैं तो क्या सरकार अच्छी गाड़ी चलाने की व्यवस्था करेगी, यदि नहीं तो क्यों ?

श्री कृष्ण वल्लभ सहाय—(क) उत्तर नकारात्मक है।

(ख) राज्य ट्रांसपोर्ट की कोई भी गाड़ी नहीं चलती है।

(ग) यह सही है कि मुहम्मद हुसेन ने अपनी गाड़ी का नाम पीपुल्स ट्रांसपोर्ट रख दिया मगर दूसरी गाड़ी को यात्रा के लिए अनुमती हो जाती है और पहली गाड़ी को परीक्षा के बाद दुरुस्त किया जाता है।

(घ) सरकार को इसकी खबर नहीं है।

(ङ) खंड (ग) के उत्तर बाद यह प्रश्न नहीं उठता है।